# ST MONTFORT SENIOR SECONDARY SCHOOL

Teacher's day is a day to reflect on and appreciate the contribution of educators in our lives. It emphasizes the importance of celebrating and recognizing the tireless efforts of teachers in shaping the educational journey of the young shining stars.

With gratitude and respect in the hearts of Montfortian for their teachers the students of St Montfort senior secondary school Bhopal celebrated the Teacher's Day Program on 5th September in a fantastic way and have left an indelible mark.

The entire premises was vibrating with cheers for the unsung heroes of the institute. School Principal Rev Br Monachan, Vice Principal Rev Br Gregory Baa, Sisters, Coordinators, teachers were welcomed traditionally by the children and were guided towards the courtyard.

The program took its deep meaning with a prayer song, lighting of lamp by the dignitaries, Garlanding the portrait of Dr Sarvepalli Radhakrishnan, a famous teacher, a great scholar of Indian Philosophy in whose name 5th Sept is celebrated as Teacher's Day every year.

An array of dazzling dances, skit, and music in the form of masterpiece was presented by the students from 3rd to 12th under the efficient guidance of the school cabinet and senior teachers.

Children also meticulously organized various games and gifts for their teachers.

The day became more remarkable and special with the official unveiling of the silver jubilee magazine by the School Principal accompanied by the editorial team which displayed the journey of 25 years of school in the city of lakes.

Bro. Monachan K.K. school Principal delivered an inspiring message to the students sharing his own experience with his teacher and how we have to reflect on the impact teachers create by their truly commendable services.

He also congratulated the editorial team for their dedication and perseverance of the successful launch of the magazine. He appreciated the unique and valuable efforts of the cabinet members with whose aspirations the program was a delighted one. The event was concluded with the vote of thanks proposed by Mrs Nikita Dubey in order to regard the fabulous show presented by the students. The students left the school with smile on their faces and fond memories in their hearts.

The second half of the day was undoubtedly again celebrated with pomp and grandeur.

Br T Alex, Provincial Superior of brothers of St Gabriel, Delhi Province was the chief guest who was accorded a warm welcome by the School Principal. A rainbow of marvellous dances, retro, songs, games, ramp walk were the highlights of the event where teachers had a fascinating time which reminded them of their golden days.

The staff was addressed by the Provincial Superior and the Principal where they appreciated the efforts of teachers in this noble profession and instilling the values of Montfortian values among the children.

The day was glorified with a scrumptious lunch by the management making every one held their head high and get ready to embark on the new journey.

Samta Chawla

# सेंट मोंटफोर्ट विद्यालय में शिक्षक दिवस

शिक्षक ध्रुव तारें की तरह हैं, जो युवा पीढ़ी को समृद्ध जीवन की ओर मार्गदर्शन करते हैं और ज्ञान की रोशनी से दुनिया के अंधेरे को दूर करते हैं।

दिनांक 5 सितंबर 2023 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में सेंट मोंटफोर्ट स्कूल में समस्त छात्रों द्वारा गरिमामय वातावरण में मनाया गया । कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ । छात्रों ने प्रार्थना गान नृत्य व नाटिका प्रस्तुत की ।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा शिक्षकों को सम्मान प्रतीक देकर प्रायमरी और सीनियर सेकेंडरी के छात्रों द्वारा डांस प्रस्तुत किया गया । प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में शिक्षकों से विभिन्न प्रश्न पूछे गए । छात्रों के द्वारा विद्यालय परिसर के साथ ही मंच को सुसज्जित किया गया था ।

विद्यालय प्राचार्य ब्रदर मोनाचन ने शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि गुरु ग्रंथन का सार है, गुरु है प्रभु का नाम, गुरु अध्यात्म की ज्योति है, गुरु है चारों धाम. ज्ञान तो किताबों में भी लिखा होता है,लेकिन किताबी ज्ञान को जीवन के अनुभव के साथ जोड़कर गुरु हमें जो शिक्षा देते हैं, वही ज्ञान हमारा जीवन सार्थक बनाता है। एक शिक्षक ही सभी छात्रों को निःस्वार्थ भाव से शिक्षा प्रदान करता है। शिक्षक हमारे अंदर की बुराइयों को दूर कर हमें एक बेहतर इंसान बनाते हैं। हमें हमारे शिक्षक अपने स्वयं के बच्चों से कम नहीं समझते और हमें पूरी मेहनत से पढ़ाते हैं। एक बच्चे के रुप में, जब हमें प्रेरणा और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है, जिसे हम निश्चित रुप से अपने अध्यापकों से प्राप्त करते हैं। वे हमें जीवन में किसी भी बुरी स्थिति में ज्ञान और धैर्य से निपटने और बाहर निकलना सिखाते हैं। माता–पिता एवं शिक्षक छात्र के जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य ब्रदर मोनाचन ,उपप्राचार्य ब्रदर ग्रीओरी बा, कोऑर्डिनेटर श्रीमती ज्योति नायर, सिस्टर जैनी, सिस्टर चौतन्या, श्रीमती मीनाक्षी शर्मा एवं सभी कक्षाओं अध्यापक अध्यापिकाएँ उपस्थित थे ।

इस प्रकार विभिन्न कार्यक्रमों के बाद राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ ।

शिक्षकों के द्वारा आयोजित दोपहर के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रदर एलेक्स, प्रोविन्शल सूपिरियर ब्रदर मानी, ब्रदर गेब्रियल, ब्रदर सेवक गेब्रियल, ब्रदर फुलदीप जोजो, ब्रदर आलोक मिंज,ब्रदर चाको, ब्रदर साइमन, ब्रदर राजन अतिथि तथा ब्रदर मोनाचन , ब्रदर ग्रेगोरी बा, श्रीमती ज्योति नायर, सिस्टर जैनी, सिस्टर चैतन्या, श्रीमती मीनाक्षी शर्मा के व विद्यालय के तीनों विभाग के शिक्षक तथा शिक्षिकाएँ उपस्थित थे । प्राथमिक विभाग की शिक्षिकाओं के द्वारा प्रार्थना गान प्रस्तुत किया गया तथा प्रायमरी एवं हायर सेकेंडरी वर्ग की शिक्षिकाओं ने रैंप वॉक करना एवं नृत्य प्रस्तुत किया । अंताक्षरी तथा अन्य मनोरंजक खेलों के द्वारा शिक्षकों ने सभी का मनोरंजन किया। पूर्ण हर्षोल्लास के इस कार्यक्रम के बाद दोपहर के भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

सू पिअरिअ(र)

संगीता हसीजा